



मेथनोल पर संयुक्त कार्य बल की बैठक में मेथनोल की संभावना तलाशने और इसके उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की समीक्षा की

Posted On: 21 DEC 2017 4:19PM by PIB Delhi

मेथनोल पर चार कार्य बलों की संयुक्त बैठक आज नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत की अध्यक्षता में हुई। कार्य बलों में विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और शिक्षाविद् हैं। संयुक्त बैठक में मेथनोल की संभावना तलाशने और देश में मेथनोल के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मेथनोल कार्य बल समूह के अध्यक्ष तथा नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत ने कहा कि मेथनोल स्वच्छ, सस्ता, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा विकल्प के रूप में उभरा है, जिसका इस्तेमाल परिवहन ईंधन और रसोई ईंधन के लिए किया जा सकता है। भारत के पास उद्योग की सहायता से स्वदेशी टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए उत्तम किस्म के ऐश कोल से मेथनोल उत्पादन की क्षमता है।

इसके अतिरिक्त वर्तमान सुविधाओं को उन्नत बनाकर उच्च किस्म के ऐश कोल, स्ट्रैंडर्ड गैस तथा बायोमास को मेथनोल में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा है कि मेथनोल का उत्पादन बढ़ाकर भारत कच्चे तेल के आयात बिल में काफी कमी कर सकता है। डॉ. सारस्वत ने कहा कि मेथनोल विभिन्न ऊर्जा समाधानों में पूरक साबित होगा और इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी।

मेथनोल प्राकृतिक गैस कोल तथा ठोस कचरा सहित नवीकरणीय बायोमास से तैयार स्वच्छ और रंगहीन तरल उत्पाद है। मेथनोल कार्य बल में शामिल विशेषज्ञों का मानना है कि विभिन्न एजेंसियों, अकादमियों और उद्योग संगठनों के साथ सहयोग करके मेथनोल उत्पादन को संसाधन और टेक्नोलॉजी की उपलब्धता के आधार पर संभव बनाया जा सकता है। छह महीने पहले चार कार्य बल बनाये गये थे और तब से देश में मेथनोल की संभावना तलाशने और मेथनोल उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक बैठकें हुई हैं।

वीके/एम/एजी/जीआरएस-6069

(Release ID: 1513830) Visitor Counter : 95

